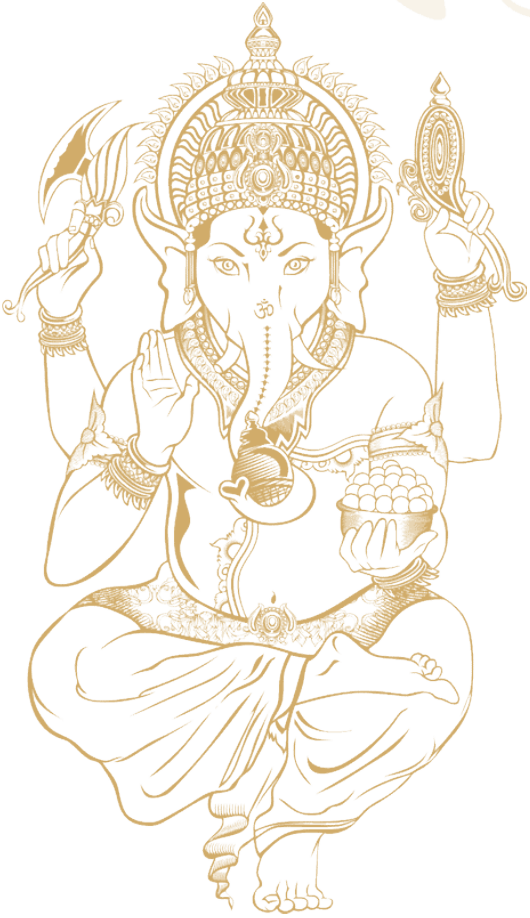

Reshma Kumari

25 Feb 1993

08:30 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121597702

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 25/02/1993**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	**: 08:30:00 घंटे**
इष्ट	: 05:33:21 घटी
स्थान	**: Gaya**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 24:48:00 उत्तर
रेखांश	: 85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 08:40:00 घंटे
वेलान्तर	: -00:13:07 घंटे
साम्पातिक काल	: 18:59:57 घंटे
सूर्योदय	: 06:16:39 घंटे
सूर्यास्त	: 17:49:50 घंटे
दिनमान	: 11:33:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 12:45:26 कुम्भ
लग्न के अंश	: 26:26:59 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**: मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: शुभ
करण	: वणिज
गण	: देव
योनि	: गज
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सर्प
युँजा	: पूर्व
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: दो-द्रोणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:26:59	476:19:32	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	12:45:26	01:00:21	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	21:40:15	11:55:16	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
मंगल			मिथु	15:29:01	00:06:52	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कुंभ	29:48:12	00:27:16	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		कन्या	19:47:16	00:04:54	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	22:31:19	00:29:22	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शनि		अ	मक	29:00:59	00:07:06	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	23:52:15	00:10:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	23:52:15	00:10:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	सम राशि
हर्ष			धनु	26:57:35	00:02:45	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
नेप			धनु	26:31:48	00:01:43	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	01:45:21	00:00:03	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			धनु	20:02:11	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:59

लग्न-चलित

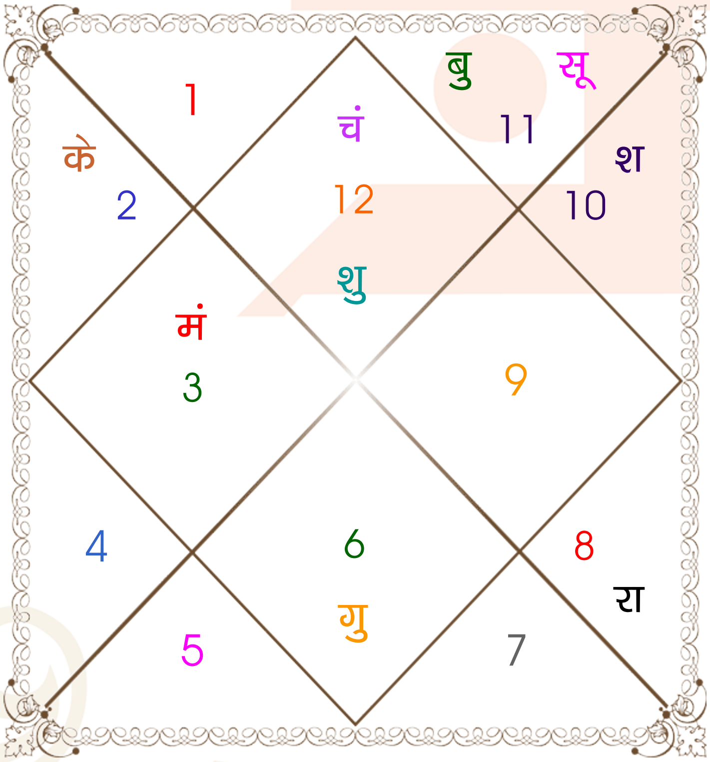

चन्द्र कुंडली

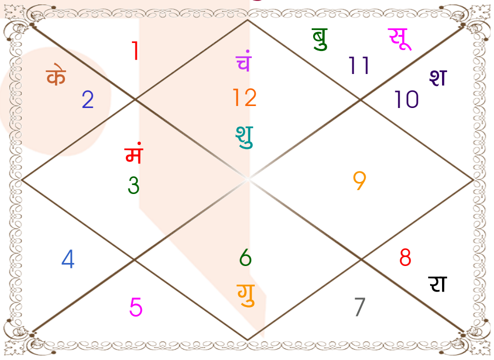

नवमांश कुंडली

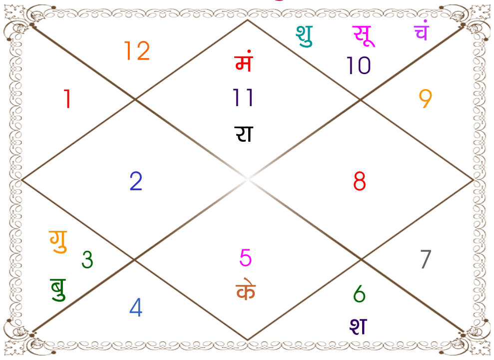

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 7 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
25/02/1993	**10/10/2003**	**09/10/2010**	**09/10/2030**	**09/10/2036**
10/10/2003	**09/10/2010**	**09/10/2030**	**09/10/2036**	**09/10/2046**
00/00/0000	केतु 07/03/2004	शुक्र 08/02/2014	सूर्य 27/01/2031	चंद्र 09/08/2037
00/00/0000	शुक्र 07/05/2005	सूर्य 08/02/2015	चंद्र 29/07/2031	मंगल 10/03/2038
25/02/1993	सूर्य 12/09/2005	चंद्र 09/10/2016	मंगल 03/12/2031	राहु 09/09/2039
सूर्य 09/11/1993	चंद्र 13/04/2006	मंगल 09/12/2017	राहु 27/10/2032	गुरु 08/01/2041
चंद्र 10/04/1995	मंगल 09/09/2006	राहु 09/12/2020	गुरु 15/08/2033	शनि 10/08/2042
मंगल 06/04/1996	राहु 28/09/2007	गुरु 10/08/2023	शनि 28/07/2034	बुध 09/01/2044
राहु 25/10/1998	गुरु 02/09/2008	शनि 09/10/2026	बुध 04/06/2035	केतु 09/08/2044
गुरु 30/01/2001	शनि 12/10/2009	बुध 09/08/2029	केतु 10/10/2035	शुक्र 10/04/2046
शनि 10/10/2003	बुध 09/10/2010	केतु 09/10/2030	शुक्र 09/10/2036	सूर्य 09/10/2046

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
09/10/2046	**09/10/2053**	**10/10/2071**	**10/10/2087**	**10/10/2106**
09/10/2053	**10/10/2071**	**10/10/2087**	**10/10/2106**	**00/00/0000**
मंगल 08/03/2047	राहु 21/06/2056	गुरु 27/11/2073	शनि 12/10/2090	बुध 08/03/2109
राहु 25/03/2048	गुरु 15/11/2058	शनि 09/06/2076	बुध 22/06/2093	केतु 05/03/2110
गुरु 01/03/2049	शनि 21/09/2061	बुध 15/09/2078	केतु 31/07/2094	शुक्र 03/01/2113
शनि 10/04/2050	बुध 09/04/2064	केतु 22/08/2079	शुक्र 30/09/2097	सूर्य 26/02/2113
बुध 07/04/2051	केतु 28/04/2065	शुक्र 22/04/2082	सूर्य 12/09/2098	00/00/0000
केतु 03/09/2051	शुक्र 28/04/2068	सूर्य 08/02/2083	चंद्र 13/04/2100	00/00/0000
शुक्र 02/11/2052	सूर्य 22/03/2069	चंद्र 09/06/2084	मंगल 23/05/2101	00/00/0000
सूर्य 10/03/2053	चंद्र 21/09/2070	मंगल 16/05/2085	राहु 29/03/2104	00/00/0000
चंद्र 09/10/2053	मंगल 10/10/2071	राहु 10/10/2087	गुरु 10/10/2106	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि की विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगी।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचती हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होती हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पति के समक्ष जाती हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पति की सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाती हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाली नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाली प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगी एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकती हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप पुरुष के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगी तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति की महिला हो तथा अपने जीवन में सफल होंगी। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखती रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकती है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकती हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकती हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।